@TSJMC__CCSU
@TilakNewsCCSU
@tsjmc_ccsu
RADIO CCSU 90.8
Community Radio Station

मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

प्रदेश में 1st, देश में 4th रैंकिंग वाला मीडिया संस्थान

जनवरी 2025 अंक

A++ NAAC

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तिरंगे को सलामी देतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, एनसीसी अधिकारी और कैडेट।

भारत के प्रमुख 10 संस्थानों के साथ एमओयू करेगा सीसीएसयू

- मिशन एंड विजन 2025 के तहत निर्धारित किए गए कई लक्ष्य
- इस साल शैक्षिक उपलब्धियों की मिसाल बनाने का लक्ष्य रखा

परिसर संवाददाता

मेरठ। नए वर्ष के प्रथम माह में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने मिशन एंड विजन 2025 तैयार किया है। इसके लिए कुलपति कार्यालय में हुई बैठक में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने 2025 में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों को मिसाल के तौर पर स्थापित करने की बात कही। बैठक में भारत के प्रमुख दस संस्थानों के साथ सहयोग समझौता करने का लक्ष्य भी तय किया गया।

बैठक में एकेडमिक एवं सामाजिक गतिविधियों का वार्षिक कैलेंडर तैयार करने, प्रत्येक वर्ष में कम से कम दो अंतर्राष्ट्रीय एवं पांच राष्ट्रीय स्तर के कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का लक्ष्य भी रखा गया। विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षकों की विभागवार सूची तैयार करके प्रत्येक विभाग में एक माह में कम से कम एक कक्षा (ऑफलाइन, ऑनलाइन) संचालित करने, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सहभागिता (प्रवेश, वोकेशनल ट्रेनिंग आदि एवं स्कॉलरशिप आदि) की व्यवस्था करने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया।

बैठक में विश्वविद्यालय एलुमनाई मीट के लिए समिति का गठन किया गया और अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त एलुमनाई मीट कराने का लक्ष्य तय किया गया। बैठक में स्ववित्तपोषित संस्थानों में शैक्षणिक पदों पर रिक्तियों के लिए प्रस्ताव तैयार करके शासन को भेजने, रिसर्च एकेडमिक्स द्वारा वाइस चांसलर मीट का आयोजन कराने के लिए प्रस्ताव तैयार करने, विश्वविद्यालय में नए एमओयू कराने और पुराने एमओयू के नवीनीकरण कराने के लिए समिति का गठन करने, मेधावी छात्रों को ट्यूशन फीस में छूट देने के लिए नियम बनाने पर भी चर्चा की गई।

पर्यावरण विज्ञान अकादमी के साथ काम करेगा विवि

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय 222 एकड़ में फैले परिसर के साथ राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी के साथ मिलकर काम करेगा। दोनों संस्थान छात्रों को प्रकृति और पर्यावरण से जोड़ते हुए इसके संरक्षण के लिएकाम करेंगे। इस संबंध में राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी दिल्ली के प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय पहुंचकर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला से मुलाकात की।

अकादमी के अध्यक्ष प्रोफेसर जावेद अहमद ने कुलपति को अकादमी के उद्देश्य साझा करते हुए सीसीएसयू के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण पर काम करने का प्रस्ताव दिया। दोनों संस्थानों ने पर्यावरण और जल संरक्षण पर मिलकर काम करने पर सैद्धांतिक सहमति जताई। प्रोफेसर जावेद अहमद ने संस्थान द्वारा 2024 में किए गए कार्यों से संबंधित पुस्तकें सीसीएसयू को भेंट कीं। कुलपति ने विज्ञान शिक्षकों को अकादमी की सदस्यता लेने को प्रेरित किया। इस दौरान प्रति कुलपति प्रो. एमके गुप्ता, कुलसचिव धीरेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी रमेश चंद्र, निदेशक शोध प्रो. वीरपाल सिंह भी मौजूद रहे।

विश्व रैंकिंग में चमके सीसीएसयू के प्रोफेसर

परिसर संवाददाता

मेरठ। एडी रैंकिंग फॉर साइंटिस्ट द्वारा जारी वर्ल्ड साइंटिस्ट एंड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एक बार फिर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं।

सीसीएसयू की टॉप 10 सूची में गणित से प्रोफेसर सरु कुमारी पहली रैंक पर हैं, जबकि प्रोफेसर एमेरेट्स प्रो. एचएस बालियान दूसरे पायदान पर हैं। फिजिक्स के प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार शर्मा की तीसरी रैंक है। नैनो साइंस और नैनो टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में पहले पायदान पर जगह मिली है। प्रोफेसर को यह रैंक सीसीएसयू में 34, भारत में एक लाख 29 हजार, एशिया में छह लाख 85 हजार 755 और दुनिया में 23 लाख 95 हजार 627 वैज्ञानिकों के सापेक्ष मिली है।

रिसर्च में श्रेष्ठ प्रदर्शन और एल्सवेयर के मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग जर्नल आर में डेटेरोस्ट्रक्चर्ड कोर शेल मेटल ऑक्साइड बेस्ड नैनो ब्रशेज फॉर अल्ट्राफास्ट यूवी फोटोडिटेक्टर्स के लिए कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टर 31.6 है। यह विवि का सर्वाधिक इम्पैक्ट फैक्टर के साथ प्रकाशित रिसर्च पेपर है।

दुनिया में सीसीएसयू के प्रोफेसर

(सीसीएसयू रैंक एच-इंडेक्स (संपूर्ण) के आधार पर)

नाम	सीसीएसयू	भारत	एशिया	विश्व
प्रो. सरु कुमारी	1	185	3105	26033
प्रो. एसएस बालियान	2	905	10660	74552
प्रो. संजीव शर्मा	3	6416	49853	274892
डॉ. योगेंद्र गौतम	4	18173	117163	569370
अशक हुसैन भट्ट	5	19636	124732	603497
डॉ. यशवेंद्र वर्मा	6	21023	131483	630386
प्रो. मृदुल गुप्ता	7	23576	144078	686527
प्रो. नीलू जैन गुप्ता	8	27840	165917	771712
प्रो. संजय भारद्वाज	9	29307	173673	803636
प्रो. भूपेंद्र सिंह	10	30785	180548	830029

प्रो.संजीव कुमार शर्मा को सम्मानित करतीं कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला।

प्रो. वाई. विमला शाकंभरी देवी विवि की कुलपति बनीं

प्रोफेसर मृदुल गुप्ता सीसीएसयू के प्रति कुलपति नियुक्त

कार्यपरिषद बैठक में सहारनपुर के विवि की कुलपति बनीं प्रो. वाई विमला का स्वागत करतीं सीसीएसयू की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति और वनस्पति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष रहीं प्रोफेसर वाई. विमला को सहारनपुर के मां शाकंभरी देवी विश्वविद्यालय का नया कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर वाई. विमला एक प्रतिष्ठित वनस्पति विज्ञानी हैं जिन्होंने सीसीएसयू में करीब छह वर्ष तक प्रति कुलपति के रूप में महत्वपूर्ण कार्य किया है। वह लंबे समय तक सीसीएसयू की प्रवेश समन्वयक भी रहीं।

प्रोफेसर वाई. विमला प्रोफेसर एचएस सिंह का स्थान लेंगी जो शाकंभरी देवी विश्वविद्यालय के पहले कुलपति बनाए गए थे। अपने अकादमिक कार्यकाल में प्रोफेसर वाई. विमला ने वनस्पति विज्ञान विभाग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके शोध रुचि के क्षेत्रों में पौधों का विकास और तनाव संबंधी फिजियोलॉजी, फाइटोकेमिस्ट्री और प्लांट टिश्यू कल्चर शामिल हैं। उनके शोध कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। उनके शोध को 548 से अधिक बार उद्धृत किया गया है, जो वैज्ञानिक समुदाय में उनके कार्य के प्रभाव को दर्शाता है।

सीसीएसयू में गणित के प्रोफेसर डॉ. मृदुल गुप्ता अब प्रति कुलपति यानी प्रो-वीसी होंगे। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में हुई कार्यपरिषद की बैठक में प्रोफेसर गुप्ता को प्रति कुलपति नियुक्त किया गया।

कार्यपरिषद की बैठक में प्रोफेसर वाई. विमला भी उपस्थित रहीं। इस दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने उनका स्वागत किया। प्रोफेसर संगीता शुक्ला को भी पुनः कुलपति बनने पर शुभकामनाएं दी गईं।

78 छात्रों को टैबलेट बांटे : अटल सभागार में आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के 78 विद्यार्थियों को टैबलेट बांटे गए। मुख्य अतिथि बागपत से सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान रहे। सांगवान ने छात्रों से टैबलेट की मदद से ज्ञान का विस्तार करने का आह्वान किया।

गणतंत्र दिवस पर विशेष

कृतज्ञ हैं हम भारत के लोग

प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा
महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी, बिहार के पूर्व कुलपति

आधुनिक भारतीय संसदीय लोकतंत्र की यात्रा का प्रस्थान बिंदु प्रायशः प्रथम स्वाधीनता संग्राम के सूत्रपात की तिथि 10 मई, 1857 को माना जाता है। यद्यपि यह भी विडंबना ही है कि उक्त संग्राम को 'सिपाही विद्रोह' की संज्ञा देने वाले व्यक्ति भारतीय अकादमिक समुदाय में आज भी आश्चर्यजनक रूप से बड़ी और प्रभावकारी संख्या में हैं। यह भी अकारण नहीं है कि आधुनिक भारत, जो 26 जनवरी 1950 को गणतंत्र घोषित हुआ, को राजनीतिक व्यवस्था के समस्त उपकरणों, निकायों, संस्थाओं, प्राधिकारियों तथा अभिकरणों के निष्पत्ति–सूत्र चिह्नित करते समय हम अत्यंत गर्व और उत्साह के साथ विश्वभर के, भारत के वर्तमान संविधान से पूर्ववर्ती संविधानों पर दृष्टिपात करते हैं। कालचक्र भले ही हमें इसके अमृतकाल तक ले आया है परंतु भारतीय संविधान से निःसृत और विनियमित गणतंत्र की विद्यमान संकल्पना निस्संदेह अपने स्वरूप, संचालन और निर्मिति में आधुनिक ही है।

प्राणवायु है सनातन दृष्टिकोण

अपनी अगण्य संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक विलक्षणताओं के कारण विशिष्ट सम्मान एवं श्रद्धा का केंद्र बनकर भारतीय संविधान सामान्य भारतीय जनमानस की अक्षुण्य आस्था एवं अप्रतिहत विश्वास का केंद्रबिंदु बना हुआ है। यही कारण है कि इसके प्रति अटूट विनय और संविधान निर्माताओं के प्रति अप्रतिम आदर हमारी स्वाभाविक भारतीय प्रवृत्ति है। अपने अनेकानेक प्राविधानों में 100 से भी अधिक संशोधन हो जाने के बाद भी भारतीय संविधान एक सनातन अभिलेख बना हुआ है। भारतीय संविधान की नियमित परिवर्तनशीलता परंतु अपने मूल मंतव्यों तथा नैतिक मानदंडों को अपरिवर्तनीय बनाए रखने की क्षमता इसे सनातन भारतीय परंपरा से संयोजित करती है। यही भारतीय सनातन दृष्टि संविधान की आत्मा व प्राणवायु के रूप में उसे अदम्य संजीवनी प्रदान करती है।

श्रेष्ठ विचारों की सहज स्वीकार्यता

भारतीय संविधान की यह अंतर्निहित सर्व–समावेशी दृष्टि भारतीयत्व के मूल विचार की अंतर्दृष्टि है। इसमें समस्त श्रेष्ठ विचारों की सहज स्वीकार्यता का विशिष्ट विचार विद्यमान है। इसी भाव से ओतप्रोत होकर हम वैदिक काल से 'आ न भद्राः क्रतवो यंतु विश्वतः' की उद्घोषणा करते आए हैं जिसमें सभी श्रेष्ठ एवं कल्याणकारी विचारों का सभी दिशाओं और सभी स्थानों से स्वागत किया जाता है। इसी दृष्टि से अन्यान्य संविधानों में प्रवृत्त श्रेष्ठ तत्वों को भारतीय संविधान के प्रारूप में सम्मिलित करने की प्रेरणा प्राप्त हुई। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में विशेष रूप से भारतीय सांस्कृतिक विचार भूमि का दिग्दर्शन कराने और अपने अपने दार्शनिक आधारस्तंभों को चिह्नांकित करते हुए भारतीय संविधान परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संयोजन करता दिखाई पड़ता है।

पूर्वाग्रह का प्रबल निषेध

भारतीय संविधान अपनी सांस्थानिक निर्मितियों की शक्ति संरचना को न्यायप्रियता और सदाशयता की तुला पर स्थित करता है परंतु किसी भी प्रकार की पक्षधरता और व्यक्तिगत पूर्वाग्रह के सबल निषेध को भी प्राविधानित करता है, इसीलिए यह विशद्र सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन का सूत्रपात करने वाली क्रांति का अग्रदूत भी बन जाता है। यह सामान्य भारतीय नागरिक की राजनीतिक व्यवस्था में आस्था का आधार और सर्वाधिक सशक्त संबल है। अपनी सुदीर्घ यात्रा में अनेक व्यवधानों एवं विचलनों से सर्वथा अप्रतिहत भारतीय संविधान भारतीय नागरिक की दृष्टि में कभी निष्प्रभ नहीं हुआ। यही उसकी सबसे बड़ी ऊर्जा है जो अपनी शक्ति का संचार समस्त भारतीय नागरिकों में सहज रूप में कर स्वयं भी तेजस्वी हो उठती है।

दैनिक जागरण में गणतंत्र दिवस पर प्रकाशित प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा का आलेख, जिसे यहां प्रस्तुत किया गया है।

हिंदी को रोजगार की भाषा बनाने के प्रयास होने चाहिए : लोहनी

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में विश्व हिंदी दिवस पर विदेशों में हिंदी विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। मुख्य वक्ता प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि भारत में अपनी मातृभाषा को तकनीकी और व्यावहारिक स्तर पर उस रूप में नहीं अपनाया जा रहा जिस रूप में उसे अपनाया जाना चाहिए। हिंदी को दैनिक दिनचर्या की भाषा से आगे ले जाकर रोजगार की भाषा बनाने के प्रयत्न होने चाहिए। वास्तव में तभी विश्व हिंदी दिवस की प्रासंगिकता है।

प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी

राष्ट्रपति भवन के पूर्व हिंदी विशेषाधिकारी डॉ. राकेश बी. दुबे ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हिंदी में महत्वपूर्ण कार्य हुआ है। बहुत सारे साहित्यकार ऐसे हैं जिन्होंने विश्व स्तर पर हिंदी में रचनात्मक स्तर पर बड़ा योगदान दिया है, किंतु उनके साहित्य पर शोध कार्य बहुत कम हुआ है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजू ने किया। इस दौरान डॉ. प्रवीण कटारिया, डॉ. विद्यासागर सिंह, डॉ. यज्ञेश कुमार, पूजा आदि मौजूद रहे।

आधुनिक हिंदी साहित्य का मूल स्वर प्रवासी

हिंदी विभाग में ही पी पीएचडी कक्षाओं के शुभारंभ पर हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रवासी साहित्यकार तेजेंद्र शर्मा ने कहा कि आधुनिक हिंदी साहित्य का मूल स्वर प्रवासी है। यह प्रवास चाहे देश के अंदर हो या देश के बाहर। उन्होंने कहा कि सच्ची कहानी वह है जिसमें आपको लगना चाहिए कि ऐसा हो सकता है या ऐसा ही है।

तेजेंद्र शर्मा

प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि सीसीएसयू देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शामिल है। नैक ए प्लस–प्लस की मान्यता के साथ यह विश्वविद्यालय श्रेष्ठ शिक्षा, संस्कार और जीवन में सफलता को प्राप्त करने के लिए छात्रों को प्रेरित करता है।

प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि प्रवासी साहित्य को भारत में पाठ्यक्रम के रूप में संचालित करने का श्रेय सीसीएसयू के हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषा विभाग को जाता है। प्रवासी साहित्य के पाठ्यक्रम निर्धारण में तेजेंद्र शर्मा की अहम भूमिका रही है। हिंदी के अध्ययन–अध्यापन के दौरान विदेश में हिंदी की स्थिति बेहतर है।

ललित कला विभाग में छात्रों ने चित्रों में उतारा महाकुंभ

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू कैंपस स्थित ललित कला विभाग में कला कुंभ राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं ने कैनवास पर महाकुंभ को बहुत ही कुशलता से उतारकर अपनी प्रतिभा दिखाई।

प्रदर्शनी का उद्घाटन बागपत के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, प्रोवीसी प्रोफेसर मृदुल कुमार गुप्ता और रजिस्ट्रार धीरेंद्र वर्मा ने किया। छात्र–छात्राओं ने अपनी कलाकृतियों में महाकुंभ के दृश्य जैसे मस्ती में नृत्य करते साधुओं के झुंड, साधुओं का गंगा स्नान, त्रिवेणी संगम पर साधुओं और आम जनों का स्नान, कुंभ की आरती आदि का चित्रण किया।

इस दौरान विभाग की संयोजिका प्रोफेसर अलका तिवारी, डॉ. प्रदीप चौधरी, डीएसडब्लू प्रोफेसर भूपेंद्र राणा, प्रोफेसर जेए सिद्दीकी, प्रोफेसर केके शर्मा, प्रो. बिंदु शर्मा, डॉ. रीता सिंह आदि भी मौजूद रहे।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

सांसद ने बांटे टैबलेट : विधि अध्ययन संस्थान में सांसद अरुण गोविल ने पीएचडी एवं एलएलएम पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए। प्रो–वीसी प्रो. मृदुल गुप्ता, डीएसडब्ल्यू प्रो. भूपेंद्र सिंह, चीफ प्रॉक्टर प्रो. वीरपाल सिंह, कुलसचिव धीरेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

सीसीएसयू के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखेरी

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने नए साल की शुरुआत में ही सफलता के झंडे गाड़ दिए हैं। नेटबॉल, कुश्ती, जूडो और कराटे में खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी है।

नेटबाल महिला टीम ने जीता स्वर्ण

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की नेटबॉल महिला टीम ने एसजीवी विश्वविद्यालय जयपुर में 7 से 9 जनवरी तक हुई अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय नेटबॉल महिला प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

कराटे में आर्यमन ने पाया स्वर्ण पदक

महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक में 15 से 21 जनवरी तक आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कराटे चौंपियनशिप में सीसीएसयू के छात्र आर्यमन सांगवान ने स्वर्ण पदक हासिल किया। अपने इस स्वर्ण पदक की बदौलत आर्यमन अब अप्रैल में श्रीलंका में होने वाली दक्षिण एशियाई स्कूल गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने आर्यमन को अपने कार्यालय में सम्मानित किया। इस दौरान कुलपति ने कहा कि अनुशासन और लगन के साथ अभ्यास करने वाला खिलाड़ी हर प्रतियोगिता में सफलता हासिल कर सकता है।

कुश्ती में पुष्कर को कांस्य

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के पहलवान पुष्कर राज ने गुरुकाशी विश्वविद्यालय, भटिंडा में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चौंपियनशिप 2024–25 में पुरुष फ्री स्टाइल कुश्ती में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

मानवी को जूडो में कांस्य

अमृतसर में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो चौंपियनशिप में सीसीएसयू की छात्रा मानवी ने अपने आयु वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया।

लोकतंत्र में मतदान है सबसे बड़ा अधिकार

परिसर संवाददाता

मेरठ। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी को विश्वविद्यालय स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एडीजी ध्रुवकांत ठाकुर, कमिश्नर ऋषिकेश भास्कर यशोद, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, डीआईजी कलानिधि नैथानी, डीएम डॉ. विजय कुमार सिंह, एसएसपी विपिन ताड़ा सहित अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान सबसे बड़ा अधिकार है।

कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सभी अधिकारियों ने जागरूक मतदाता के हस्ताक्षर पट्ट पर हस्ताक्षर किए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ, एनजीओ, विभिन्न स्कूलों के प्रिंसिपल, जिला विद्यालय निरीक्षक, बीएसए, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में जोहा, मंतशा, नौशीन, माद्दिहा और वॉल पेंटिंग में विभिन्न कॉलेजों की टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जागरूक मतदाता हस्ताक्षर पट्ट पर हस्ताक्षर करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए मेरठ के कैडेट

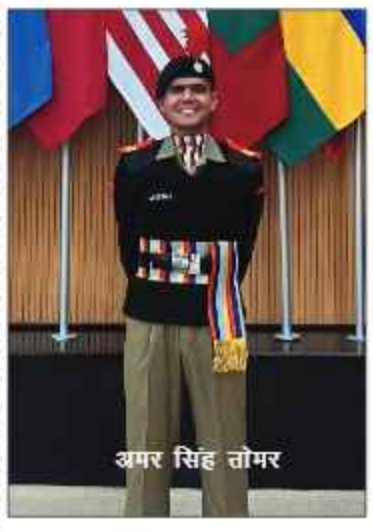

परिसर संवाददाता

मेरठ। दिल्ली में 26 जनवरी पर हुए गणतंत्र दिवस समारोह में मेरठ एनसीसी ग्रुप हैडक्वार्टर से एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। इनमें चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के दो कैडेट ने राजपथ पर मार्च किया तो कुछ कैडेट्स ने 27 जनवरी को हुई एनसीसी की प्रधानमंत्री की रैली में भाग लिया।

सीसीएसयू के दो एनसीसी कैडेट अमर सिंह तोमर और वंश शर्मा का चयन गणतंत्र दिवस परेड में मार्च के लिए हुआ। इन कैडेट्स ने कठोर चयन प्रक्रिया को पार करते हुए पिछले चार महीने दिल्ली के शिविर में अभ्यास किया।

दिल्ली में अभ्यास के दौरान उन्हें भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुख अधिकारियों से बातचीत करने का अवसर मिला। उन्होंने नौसेना और सेना प्रमुखों के आवासों का दौरा किया। साथ ही एयरफोर्स म्यूजियम, इंडिया गेट सहित अन्य ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। दोनों कैडेट का सपना भारतीय रक्षा बलों में अधिकारी के रूप में सेवा देना है।

दोनों कैडेट्स ने 71 यूपी बीएन एनसीसी का प्रतिनिधित्व किया। कैडेट्स की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, डीएसडब्लू प्रोफेसर भूपेंद्र राणा, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. अनिल यादव ने शुभकामनाएं दीं।

इसी तरह से एनसीसी ग्रुप हैडक्वार्टर मेरठ से एनसीसी कैडेट शितिका, वंश कुमार, अनन्या त्यागी, गौरव पारखी, सक्षम शांडिल्य और आदित्य यादव ने 27 फरवरी को हुई एनसीसी की प्रधानमंत्री की रैली में भाग लिया।

'स्वयं कोर्स' के लिए जागरूक करने का आह्वान

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू के अटल सभागार में फेकल्टी के लिए 'स्वयं जागरूकता वर्कशॉप' का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में मुख्य वक्ता डॉ. अंगना सेनगुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों को 'स्वयं' के निशुल्क कोर्स के लिए प्रोत्साहित करें। यह पूरी तरह निशुल्क कोर्स है। छात्र इसमें ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। विश्वविद्यालय इन कोर्स में 25 प्रतिशत आंतरिक और 75 प्रतिशत बाह्य परीक्षा से मूल्यांकन कर सकते हैं।

डॉ. सेनगुप्ता ने बताया कि स्वयं कोर्स में छात्रों को आंतरिक और बाह्य, दोनों परीक्षाओं में न्यूनतम 40–40 प्रतिशत अंक लाने होंगे। विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकृत

स्वयं कोर्स में कोई फीस नहीं होगी। यदि छात्र विश्वविद्यालय के अतिरिक्त परीक्षा का विकल्प चुनते हैं तो उन्हें तय परीक्षा शुल्क देना होगा।

वर्कशॉप में प्रो. एनसी गौतम, कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, प्रोवीसी प्रो. मृदुल गुप्ता और नोडल अधिकारी डॉ. सचिन ने सभी शिक्षकों को छात्रों को स्वयं कोर्स के लाभ पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया।

वस्त्रदान कार्यक्रम : सर छोटूराम इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ की ओर से 'वस्त्रदान कार्यक्रम' चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कार्यक्रम संयोजक आशुतोष मिश्रा की अगुवाई में गंगानगर स्थित दादा–दादी वृद्धा आश्रम में वस्त्रदान किया गया।

सौर ऊर्जा से गंगा जल साफ करने की तकनीक विकसित की

परिसर संवाददाता

मेरठ। गंदे पानी का प्रदूषण वैश्विक स्तर पर गंभीर समस्या है। कपड़ा, पेंट, प्रिंट व फार्मास्युटिकल उद्योग से जुड़ी कंपनियों से निकलने वाला दूषित पानी नदियों से लेकर समुद्र तक को विषाक्त करने के साथ ही जमीन के भीतर स्थित जल को भी नुकसान पहुंचा रहा है। इस समस्या का सरल समाधान चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) के विज्ञानियों ने खोज निकाला है। विज्ञानियों ने ऐसी तकनीक विकसित की है जो सौर ऊर्जा से संचालित होकर दूषित जल को पुनः इस्तेमाल करने योग्य बनाने में सक्षम है। मेटल आक्साइड–कार्बन नैनोट्यूब नान कंपोजिट एंड प्रीपरेशन मेथड' विषय पर किए गए शोध का पेटेंट भी विश्वविद्यालय को मिल चुका है।

विश्वविद्यालय ने सीटीसी कैटलिस्ट यानी उत्प्रेरक विकसित किया है। यह गंदे पानी में मौजूद जटिल प्रदूषकों को प्राकृतिक सूर्य की रोशनी के जरिए प्रभावी तरीके से साफ कर सकता है। विशेष तौर पर फार्मास्युटिकल एंटीबायोटिक्स, कपड़ा उद्योग आदि से निकलने रसायनों जैसे मिश्रित प्रदूषकों को हटाने में अधिक प्रभावी साबित हुआ है। यह सूर्य की रोशनी का इस्तेमाल कर पानी में मौजूद हानिकारक रसायनों को उनके मूल घटकों में तोड़ता है।

यह प्रक्रिया पानी को साफ और

शोधार्थी दीपक कुमार और प्रोफेसर संजीव शर्मा

दोबारा इस्तेमाल योग्य बनाती है। यह पानी पीने योग्य भी है या नहीं इस पर शोध चल रहा है। साथ ही सूर्य की कम रोशनी वाले क्षेत्रों में इसके प्रभावी कार्य पर भविष्य में शोध जारी रहेगा। शोधार्थी दीपक कुमार सीसीएसयू के नौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में अपने शोध को आगे बढ़ाते रहेंगे।

दीपक कुमार के अनुसार सीटीसी कैटलिस्ट सीसीएसयू की लैब में ही खादी कपड़े के इस्तेमाल से झिल्ली (मेंबरेन) बनाकर तैयार किया है। खादी एक फाइबर है जो नान टाक्सिक है। इसे खाना भी हानिकारक नहीं होता है, इसीलिए नवजात बच्चों को रुई से दूध पिलाया जाता है। इस पर नैनोपार्टिकल की परत चढ़ाकर गंदे पानी में डालने पर यह पानी में व्याप्त हर केमिकल को सोख लेता है। एक टेक्सटाइल मेंबरेन का पांच बार प्रभावी इस्तेमाल सफल रहा।

सीटीसी नैनो–कंपोजिट पर हुआ यह शोध वैज्ञानिक पत्रिका वाइली एडवांस्ड साइंस न्यूज जर्नल, स्माल में प्रकाशित हुआ है, जिसका इम्पैक्ट फैक्टर 13 है। प्रो. संजीव शर्मा के अनुसार बेहद किफायती दर में गंदे पानी को साफ करने की तकनीक दुनिया में कहीं नहीं है। यह तकनीक भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसके व्यवसायिक इस्तेमाल के लिए विभिन्न उद्योगों से करार करेंगे। यह प्रदेश व केंद्र सरकार के लिए भी लाभकारी है। यह शोध एडवांस स्तर पर पहुंच चुका है, जहां अब इसका उपकरण तैयार होगा। इसी सिलसिले में दीपक कुमार छह महीने के लिए दक्षिण कोरिया में शोध करने गए हैं।

नमन...

महान स्वतंत्रता सेनानी और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व छात्रों संग परिसर स्थित नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। इस दौरान उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण, हवन–पूजन के साथ उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। प्रो. मृदुल गुप्ता, प्रो. बीरपाल सिंह, प्रो. के.के. शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

विश्वव्यापी कांफ्रेंस में शोधार्थी विशु शर्मा का पोस्टर रहा सर्वश्रेष्ठ

मेरठ। विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के प्रोफेसर आरके सोनी और उनके शोधार्थी ने 61वीं एनुअल कन्वेंशन आफ केमिस्ट और विश्वव्यापी कांफ्रेंस में हिस्सा लिया।

इमर्जिंग ट्रेंड्स इन केमिस्ट्री टू रिवोल्यूशनाइज इंडियन केमिकल इंडस्ट्री फार विकसित भारत 2047 का थीम था। प्रोफेसर सोनी ने थर्मल स्टेबिलाइजर्स सिंथेसाइज्ड फ्राम पेट्वेस्ट फार एनहांसमेंट आफ फिजिको–केमिकल प्रापर्टीज आफ पीवीसी विषय पर व्याख्यान दिया।

इस कान्फ्रेंस में शोधार्थी विशु शर्मा ने एडवासमेंट इन थर्मल स्टेबिलाइजर विषय पर पोस्टर प्रजेंट किया। इंडियन केमिकल सोसायटी की ओर से कान्फ्रेंस में प्रस्तुत 100 से अधिक पोस्टरों का मूल्यांकन किया, जिसमें विशु शर्मा का पोस्टर सर्वश्रेष्ठ रहा। विशु को आइसीसी से रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया गया। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विशु को बधाई दी।

टीबी रोग से लड़ने और अभियान से जुड़ने की शपथ दिलाई

टीबी से लड़ने और सघन टीबी अभियान से जुड़ने की शपथ दिलाते वित्त नियंत्रक रमेश चंद्र।

परिसर संवाददाता

मेरठ। राष्ट्रीय क्षय–रोग उन्मूलन कार्यक्रम में 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अगुवाई में जिला क्षय रोग अधिकारी डा. गुलशन राय व उनकी टीम लोगों को जागरूक कर रही हैं। इसी कड़ी में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम हुआ।

विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डा. प्रमोद बंसल ने बताया कि विश्वविद्यालय में 27 से 31 जनवरी तक पांच दिवसीय सघन टीवी उन्मूलन अभियान चलाया गया जिसमें जांच और इलाज मुफ्त किया गया। वित्त नियंत्रक रमेश चंद्र ने टीबी से लड़ने और अभियान से जुड़ने की शपथ दिलाई।

स्थापना दिवस पर उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत के बारे में बताया

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला। साथ में हैं प्रोफेसर केके शर्मा और प्रोफेसर पवन शर्मा।

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू के साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की ओर से प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश विषय पर व्याख्यान और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने की।

मुख्य वक्ता प्रो. पवन शर्मा ने प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध संस्कृति और सामाजिक–आर्थिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने राज्य की प्रगति और उपलब्धियों को रेखांकित किया।

प्रो. कृष्णकांत शर्मा ने विषय पर प्रेरणादायक चर्चा की। उन्होंने अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

शिक्षा विभाग के प्रो. जगवीर सिंह भारद्वाज, डॉ. वैभव शर्मा, डॉ. रविन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।